List of New Course(s) Introduced

Department : *Hindi*

Programme Name : *B.A.*

Academic Year : 2018-19

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	AR/HIN/C-101	हिंदी साहित्य का इतिहार (रीतिकाल तक)
2.	AR/HIN/C-102	हिंदी साहित्य का इतिहार (आधुनिक काल)
3.	AR/HIN/C-201	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
4.	AR/HIN/C-202	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)
5.	AR/HIN/C-301	छायावादोत्तर हिन्दी कविता
6.	AR/HIN/C-302	भारतीय काव्यशास्त्र
7.	AR/HIN/C-303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8.	AR/HIN/C-401	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
9.	AR/HIN/C-402	हिंदी उपन्यास
10.	AR/HIN/C-403	हिन्दी कहानी
11.	AR/HIN/C-501	हिन्दी नाटक एवं एकांकी
12.	AR/HIN/C-502	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
13.	AR/HIN/C-601	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता
14.	AR/HIN/C-602	प्रयोजन मूलक हिन्दी

15.	DSEC-1	लोक साहित्य
16.	DSEC-2	राष्ट्रीय काव्यधारा
17.	DSEC-3	छायावाद
18.	DSEC-4	प्रेमचन्द
19.	AR/AIN/GEC/101	कला और साहित्य
20	AR/AIN/GEC/102	आधुनिक भारतीय साहित्य
21	AR/AIN/GEC/201	पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं हिंदी साहित्य
22	AR/AIN/GEC/202	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
23	AEC-1	हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण
24	AEC-2	हिंदी भाषा और सम्प्रेषण
25	SEC-1	रचनात्मक लेखन
26	SEC-2	हिंदी सिनेमा

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2018-19
School : *Arts*
Department : *Hindi*
Date and Time : *JUNE 30, 2018 – 10:00 AM*
Venue : *E-Class Room*

अध्ययन मंडल (BOS)की बैठक का कार्यवृत्त

हिंदी स्नातक प्रतिष्ठा के लिए पाठ्यक्रम निर्माण के उद्देश्य से कला अध्ययनशाला के अंतर्गत हिन्दी विभाग में अध्ययनमंडल की बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित सदस्य भागीदार रहे-

1- डॉ.रमेश कुमार गोहे (विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष. अध्ययन मंडल)

2- डॉ. वीरेंद्र मोहन (वाह्य विशेषज्ञ)

3- श्री मुरली मनोहर सिंह, सदस्य (सहा.प्रा.)

- बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया -
- पूर्व स्वीकृत CBCS प्रणाली की यथावत स्वीकृति
- स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम की यथावत स्वीकृति
- DSEC, GEC,AECC,SEC. को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है
- समिति की बैठक में पाठ्यक्रम की CBCS प्रणाली पर परिचर्चा करते हुए अपनी सहमति प्रदान की| निम्नलिखित नई पाठ योजनाओं को स्नातक प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया-

DSEC:- लोक साहित्य AR/HIDSO501L

राष्ट्रीय काव्यधारा AR/HIDSO502L

छायावाद AR/HIDSO601L

प्रेमचंद AR/HIDSO602L+T

GEC :- कला और साहित्य AR/AIN/GEC-101

आधुनिक भारतीय साहित्य AR/AIN/GEC-102

पाश्चात्य दार्शनिक चिन्तन एवं हिन्दी साहित्य AR/AIN/GEC-201

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम AR/HIGEO401L AECC

:- हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण HNAECC101T

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण HNAECC102T

SEC:- रचनात्मक लेखन AR/HISCO301L

साहित्य और हिन्दी सिनेमा AR/HISCO401L

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature & Seal of HoD

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर छ.ग.

हिंदी विभाग

कला संकाय

सत्र 2018-19 एवं क्रमश:

हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के चयन स्तरीय प्रणाली

(choice based credit system)

की सत्रीय व्यवस्था युक्त

2

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय वि.वि.) बिलासपुर छ.ग.

विश्वविद्यालय पत्र 185/अका/अ.मं./हिंदी/2018 बिलासपुर दिनांक 12-06-18 के अनुसार हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम अध्ययनमंडल के सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

बैठक तिथि 30 जून 2018

समय 10:00 बजे

अध्ययनमंडल के सदस्य :

1. डॉ .रमेश कुमार गोहे
   विभागाध्यक्ष ,हिंदी विभाग - अध्यक्ष - अध्ययनमंडल Rame 30/06/18
2. प्रो.वीरेंद्र मोहन
   डॉ हरीसिंह गौर वि.वि. सागर म.प्र - बाह्य विषय विशेषज्ञ अध्ययनमंडल
3. श्री मुरली मनोहर सिंह
   सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग - सदस्य अध्ययनमंडल 30/06/18

3

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

B.A. (HONOURS) HINDI CBCS पाठ्यक्रम प्रारूप
(सत्र 2018–19)

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1- **लोक साहित्य**

2- **राष्ट्रीय काव्यधारा**

3- **छायावाद**

4- प्रेमचन्द

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण - प्रथम सेमेस्टर
2. हिन्दी भाषा और संप्रेषण - द्वितीय सेमेस्टर

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1- रचनात्मक लेखन तृतीय सेमेस्टर प्रथम सेमेस्टर
2- साहित्य और हिंदी सिनेमा - 4th -

वि.वि.प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- बी.ए.आनर्स हिंदी
- एम.ए.हिंदी

वि.वि.शोध प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- प्री पीएच.डी.

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

5

REVISED SYLLABUS OF CBCS

B.A.(HONOURS) (HINDI)

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

6

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-101

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
  - रासो काव्य, लौकिक साहित्य
- भक्तिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य
- रीतिकाल
  - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-102

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण

  भारतेन्दु युग

  द्विवेदी युग

  छायावाद

  प्रगतिवाद

  प्रयोगवाद

  नई कविता

  समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास :

  स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-201**

3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. विद्यापति –
   दो पद
   1. वंशी माधुरी–
   (नंदक नंदन कदंबक तरूतार.....)
   ~~2. ...~~
   (माधव हमर रहल दुरदेस.......)
   बसंत मिलन –
   (विद्यापति – शिव प्रसाद सिंह)

2. कबीर –
   दो पद–
   ~~1. झीनी–झीनी बीनी चदरिया...~~
   2. मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे
   संदर्भ- (कबीर ग्रंथावली – श्याम सुंदर दास)

3. जायसी –
   ~~नागमती वियोग खण्ड~~ से दो पद
   पद्मावत
   मानसरोदक खण्ड –
   1. ~~नागमती~~ चितउर पथ हेरा.........
   2. कातिक सरद उजियारी........
   संदर्भ- पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड – सं. रामचन्द्र शुक्ल)

4. सूरदास –
   ~~1. भ्रमरगीत सार – एक पद~~
   ~~आयो घोष बड़ो व्यापारी~~
   ~~**संदर्भ- (भ्रमरगीत सार– सं.रामचन्द्र शुक्ल)**~~
   ~~मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायो~~
   ~~**संदर्भ- (सूरसागर)**~~

5. तुलसीदास –
   अवधेस के द्वारे सकारे गई - कवितावली (बालकाण्ड)
   खेती न किसान को भिखारी को न भीख, बलि- ~~(विनय पत्रिका)~~ कवितावली

6. रहीम –
   1. रहिमन धागा प्रेम का
   2. रहिमन देखि बड़ेन को
   3. रहिमन विपदा हूँ भली
   4. रहिमन निजमन की व्यथा
   5. रहिमन प्रीति सराहिये मिलत होत रंग दून...

10

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-202**

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) *श्रीधर पाठक कश्मीर सुषमा*

1. भारतेंदु :- 1. रोवहू सब मिलिके (भारत दुर्दशा नाटक से)

2. हरिऔध – 1. दिवस का अवसान समीप था...... (प्रिय प्रवास – प्रथम सर्ग) *प्रारम्भ के दस छन्द*

3. मैथिलीशरण गुप्त – 1. दोनों ओर प्रेम पलता है। (साकेत के नवम सर्ग से) *प्रारम्भ के दस छन्द*

4. ~~रामनरेश त्रिपाठी – 1. मातृभूमि की जय हो (मानसी – काव्य संग्रह से)~~

5. जयशंकर प्रसाद – 1. ~~बीती विभावरी~~ जाग री (लहर – काव्य संग्रह से)

6. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – 1. ~~भिक्षुक~~ *जुही की कली, स्नेह निर्झर बह गया है* (राग–विराग)

7. सुमित्रानंदन पंत – 1. ~~परिवर्तन~~ (तारापथ– काव्य संग्रह से)

8. महादेवी वर्मा – 1. ~~मैं नीर भरी दुःख की बदली~~ (दीपशिखा –काव्य संग्रह से)

~~*मधुर मधुर मेरे दीपक जल*~~ *बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ*

मुकुटधर पाण्डेय – किसान

11

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-301**

5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल – 1. ~~बसंती हवा~~ चन्द्रगहना से लौटती बेर

2. नागार्जुन – 1. ~~बादल को घिरते देखा है।~~ शासन की बन्दूक

3. रामधारी सिंह दिनकर – 1. ~~समर शेष है~~ ~~[illegible]~~

~~4. माखनलाल चतुर्वेदी –~~ ~~1. पुष्प की अभिलाषा~~
श्यामनारायण पाण्डेय – पद्मिनी की चिता।

5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – 1. कलगी बाजरे की

6. भवानी प्रसाद मिश्र – 1. गीतफरोश ~~[illegible]~~

7. रघुवीर सहाय – 1. रामदास

8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – 1. ~~तुम्हारे साथ रहकर~~ देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता

~~9. गिरिजाकुमार माथुर –~~ ~~1. छाया मत छूना मन~~
कुंवर नारायण – एक अजीब दिन, पवित्रता।

12

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-302

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

17

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-303

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट – परम्परा और निर्वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा। मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-401**

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ,

  स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-402**

9. हिंदी उपन्यास

- गबन – प्रेमचंद
- ~~त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार~~ चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा
- ~~मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा~~ अपना मोर्चा – काशीनाथ सिंह
- ~~मानस का हंस – अमृतलाल नागर~~
- महाभोज – मन्नू भंडारी

स्वर्णमृग — गिरिराज किशोर

16

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-403**

10. हिंदी कहानी

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत : सुदर्शन
- ~~पाजेब~~ रेखा ~~: जैनेंद्र कुमार~~ अंधेरा
- ~~तीसरी कसम~~ : फणीश्वरनाथ रेणु आदिम रात की महक
- मिस पाल : मोहन राकेश — ~~उसकी रोटी~~
- परिन्दे : निर्मल वर्मा
- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- ~~सिक्का बदल गया~~ : कृष्णा सोबती — बादलों के घेरे
- पिता : ज्ञानरंजन

वापसी उषा प्रियंवदा

17

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/ C - 501**

11. हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद ध्रुवस्वामिनी
- **आषाढ़** का एक दिन : **मोहन** राकेश
- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

1 • औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
• ~~विषकन्या : गोविन्द वल्लभ पंत~~
• ~~और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर~~
2 • भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

3 अंजो दीदी — उपेन्द्रनाथ अश्क

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-502**

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

- सरदार पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु – अशोक के फूल
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
- डॉ. नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-601

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिता: अर्थ, अवधारणा और महत्व।
- भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान आज, स्वदेश प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

20

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-602**

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र–लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

2

B.A. (HONOURS) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1. **लोक साहित्य**
2. **राष्ट्रीय काव्यधारा**

B.A. Vth Sem

3. **छायावाद**
4. प्रेमचंद

B.A. VIth Sem

2

1- लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,

लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का

वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।

- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

पर लोकनाट्यों का प्रभाव।

- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

Mooc

2-राष्ट्रीय काव्यधारा

1– मैथिलीशरण गुप्त - (प्रतिनिधि कविताएँ - मैथिलीशरण गुप्त)
क– मातृभूमी -
ख – निरख सखी ए खंजन आये

2– माखनलाल चतुर्वेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - माखनलाल चतुर्वेदी)
क– कैदी और कोकिला
ख– जलियावाला बेदी

3–सोहनलाल द्विवेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - सोहनलाल द्विवेदी)
क– कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
ख– बढे चलो बढे चलो

4– बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (प्रतिनिधि कविताएँ - बाल कृष्ण शर्मा नवीन)
क– विप्लव गायन
ख – हम अनिकेतन

5– रामधारी सिंह दिनकर (प्रतिनिधि कविताएँ - रामधारी सिंह दिनकर)
~~क– कलम आज उनकी जय बोल~~
ख– गांधी

26

3– छायावाद

जयशंकर प्रसाद –

1– आंसू काव्य खंड के प्रथम 15 पद (सन्दर्भ- आंसू खंड काव्य)

2– ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे धीरे (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

~~3– अरुण यह मधुमय देश हमारा~~ (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. ~~ध्वनि~~ ~~स्नेह निर्झर बह गया~~ तोड़ती पत्थर

2. बादल राग -6

3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु (समस्त कवितायें राग विराग संग्रह से)

सुमित्रानंदन पंत

1. ~~नौका विहार~~ ✓ द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र

2. मौन निमंत्रण ✓

3. मोह (सन्दर्भ- समस्त कवितायें तारापथ संकलन से)

महादेवी वर्मा

1- जो तुम आ जाते एक बार

2.मधुर मधुर मेरे दीपक जल

3.पंकज कली (सन्दर्भ-समस्त कवितायें प्रतिनिधि कवितायें महादेवी वर्मा से)

2

4. प्रेमचंद

- उपन्यास – सेवासदन
- नाटक – कर्बला
- निबंध – साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ – ~~पूस की रात~~, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा। (प्रतिनिधि कहानियां -प्रेमचंद)

B.A. (HONOURS) HINDI

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

27

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-101**

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतःसंबंध — कला के रूप
- कला और समाज ~~का अंतःसंबंध~~
- ~~कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण~~ — कला के शाश्वत तत्व
- भारतीय कला का विकास — भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय ~~महत्व~~
- ~~कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परंपरा~~
- लोक–कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

खण्ड क

1. कला के रूप
2. कला और समाज
   ~~कला का~~ भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और कला
3. – के शाश्वत तत्व
4. लोक ~~कला~~ साहित्य ~~और~~ की अवधारणा

खण्ड ख

1. अंधेर नगरी — भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. ~~[illegible]~~ आँगन में बैंगन – हरिशंकर परसाई
   नशा — प्रेमचन्द
3. मास्टर — नागार्जुन

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-102

2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- ✓ मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें

(उपन्यास)

आनंद मठ – बंकिम चंद्र

✓ मृत्युंजय – शिवाजी सावंत

~~आवरण — भैरप्पा~~ संस्कार — यू. आर. अनन्तमूर्ति

- सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ – **प्रतिनिधि 5 कवितायें**

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-201**

3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-202**

4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

31

B.A. (HONOURS) HINDI

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
2. हिंदी भाषा ~~और संप्रेषण~~ एक सामान्य परिचय

1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

2. हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।
- स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य,
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।

36

B.A.(HONOURS) HINDI
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1. रचनात्मक लेखन

2. साहित्य और हिंदी सिनेमा

3

1. रचनात्मक लेखन

- रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

  भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

  विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन,

  विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

  जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

  लेखन के विविध रूप : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

- रचनात्मक लेखन : भाषा–संदर्भ

  अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ–मीमांसा, शब्द के प्राक्–प्रयोग, नव्य–प्रयोग

  भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग–सापेक्ष, समूह–सापेक्ष

- रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

  रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

  क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

  ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एव विमर्श

  ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

  घ. विविध गद्य–विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य

  ङ. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

- सूचना–तंत्र के लिए लेखन

  प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

  इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टैलीविजन

2.

साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :

आरंभ से 1947	:	राजा हरिश्चंद, अछूत कन्या, ~~अनमोल घड़ी~~, देवदास
1947 से 1970	:	मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
1970 से 1990	:	गर्म हवा, ~~अंकुर~~, शोले, आँधी।, आक्रोश।
1990 से अद्यतन	:	तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले ~~दुल्हनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.~~, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम। बेंडिट क्वीन

Scheme and Syllabus